खनन निम्न कारणों से सम्भव नहीं हुआ है— रेत भराई सामग्री का अपर्याप्तता उत्खनन कार्यों में जलमग्नता की स्थिति तथा विकास कार्यों के आस पास के ऊपर/अन्तर्गत अग्नि क्षेत्र का अधिकांश खानों में होना । इसलिए ऐसी खानों से कोयला खनन को उच्च उत्पादकता सम्भव नहीं हो सकी है ।

(iv) बहुत सी खानों में भू-तल अधिकार की अनुपलब्धता के कारण पिल्लर हटाने के कार्यक्रम में कठिनाई आई है ।

भूमिगत खानों के उत्पादन में सुधार के लिए उठाये गये कदम निम्नलिखित हैं :—

1. बहुत सी छोटी खानों से उत्पादन की उच्च दर प्राप्त करने के लिए उन्हें पुर्नगठित किया गया है/जा रहा है ।

2. भूमिगत खानों में यंत्रीकरण को माध्यमिक प्रौद्योगिकी के रूप में भूमिगत खानों में एस डी एल/एल एच डी का अधिक संख्या में नियोजन कार्य निरन्तर रूप से किया जा रहा है जहां कहीं भी भू–खनन परिस्थितियां ऐसा प्रौद्योगिकी अपेक्षित होती हैं ।

3. कुछ कोलियरियों में जहां भूखनन स्थितियां अनुकूल हैं, वहां पावर स्पोर्ट लांगवाल खनन आरम्भ किया गया है ।

कोयले का उत्पादन

श्री रामजेठमलानी :

मती सुषमा स्वराज :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्षों के दौरान देश में कोयले के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि होती रही है ;

(ख) यदि हां, तो 1985-86, 1989-90 और 1992-93 के वर्षों के दौरान कोयले की कितनी मात्रा का उत्पादन हुआ था ;

(ग) क्या यह सच है कि देश में इस्पात और विद्युत उत्पादन के लिए कोकिंग कोल की जरूरत पड़ती है ;

(घ) यदि हां, तो क्या यह सच है कि पिछले वर्षों के दौरान देश में इस प्रकार के कोयले के उत्पादन की मात्रा में वृद्धि नहीं हो रही है ;

(ङ) यदि नहीं, तो 1985-86, 1989-90 और 1992-93 के दौरान इस कोयले का कितना उत्पादन हुआ था और क्या यह भी सच है कि देश की जरूरत को पूरा करने के लिये इस कोयले का आयात किया जा रहा है ; और

(च) यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान ऐसे कोयले की कितनी मात्रा का आयात किया गया था और उस पर कितनी राशि व्यय की गयी थी ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां ।

(ख) वर्ष 1985-86, 1989-90 और 1992-93 के दौरान देश में हुए कोयले के उत्पादन की नीचे दर्शाया गया है :—

(मिलियन टन में)

वर्ष	कोयला उत्पादन
1985-86	154.24
1989-90	200.89
1992-93	238.26

(ग) कोक के उत्पादन के लिये कोकिंग कोयले के गुणों की आवश्यकता होती है जो कि

इस्पात तथा कुछ अन्य उद्योगों में प्रयोग में लाया जाता है ।

(घ) देश में कोककर कोयले का उत्पादन वृद्धयात्मक प्रवृत्ति को दर्शाता है ।

(ङ) वर्ष 1985-86, 1989-90 और 1992-93 के दौरान देश में हुए कोककर कोयले के उत्पादन को नीचे दर्शाया गया है : —

मिलियन टन

वर्ष	कोककर कोयला उत्पादन
1985-86	35.65
1989-90	44.43
1992-93	45.40

किन्तु यह बात भी सत्य है कि कुछ कोककर कोयले का आयात किया जा रहा है ।

(च) वर्ष 1985-86, 1989—90 और 1992-93 के दौरान आयातित किये गए कोककर कोयले की मात्रा के सम्बन्ध में और उसकी कीमत के सम्बन्ध में उपलब्ध सूचना को नीचे दर्शाया गया है :—

वर्ष	कोककर कोयला (मिलियन टन में)	लगभग कीमत (करोड़ रुपये में)
1985-86	2.03	161.80
1989-90	4.66	404.57
1992-93	6.71	1331.66

Target of coal production

1868. SHRI CHATURANAN MISHRA :

SHRI GAYA SINGH :

Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) whether Government plans an output of 258 m. tonnes of coal in 1996-97 ;

(b) if so, what is the estimated investment likely to be made to achieve this target ;

(c) what is the total coal that will be produced in 1994-95 and 1995-96 ;

(d) what amount is set for the purpose ;

(e) what was the total coal produced by CIL and Singareni Collieries Ltd. during 1993-94 ;

(f) what is the shortage of coal at present ; and

(g) what efforts were made to improve the same ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : No Sir, Planning Commission have recommended total Coal production of 308 m.t. by 1996-97. The company wise break-up is given below :

Company	Production in million tonnes
CIL	270
SCCL	33
Others (TISCO/ISCO/DVC)	5
	308